भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर

आई.सी.ए.आर. परिसर, पो.- बी.वी. कॉलेज, पटना- **800014** (बिहार) भारत

दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में चल रहे हिंदी पखवाड़ा – 2020 कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 23.09.2020 और 24.09.2020 को **"राजभाषा नियम व अधिनियम का परिचय एवं कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग"** विषय पर दो दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया | कार्यशाला के प्रथम दिन श्री गौरव कुमार चौहान, अनुवाद अधिकारी, रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना/ तट रक्षक), रक्षा मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित कार्यालय से गूगल मीट के माध्यम से व्याख्यान दिया | उन्होंने राजभाषा हिंदी का इतिहास, नियम व अधिनियम का परिचय देते हुए कार्यालयों में हिंदी में पत्र-व्यवहार बढ़ाने के तरीके बताये |

दूसरे दिन की कार्यशाला का आयोजन संस्थान के सेमिनार हॉल में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए किया गया, जिसमें संस्थान के डॉ. कमल शर्मा, प्रभागाध्यक्ष, पशुधन एवं मात्स्यिकी प्रबंधन, श्री पुष्पनायक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रीमती प्रभा कुमारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व्याख्याता के रूप में उपस्थित थे |

डॉ. कमल शर्मा, प्रभागाध्यक्ष, पशुधन एवं मात्स्यिकी प्रबंधन ने बताया कि संस्थान के सभी वैज्ञानिकों को लगभग एक ही प्रारूप के पत्र कई बार विभिन्न कार्यों के लिए भेजने पड़ते हैं, जो अंग्रेजी भाषा में होती हैं | हमें ऐसे प्रारूपों को हिंदी में अनुवाद कराना चाहिए, ताकि ज्यादा से ज्यादा काम हिंदी में किया जा सके |

श्री पुष्पनायक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि सभी लोगों को हिंदी में काम करने की आदत डालनी चाहिए, ताकि यह सिर्फ अनुवाद की भाषा बनकर न रह जाए | उन्होंने बताया कि हिंदी हमारी राजभाषा है एवं यह संस्थान के सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि वे ज्यादा से ज्यादा कार्यालयी कार्य हिंदी में करें |

श्रीमती प्रभा कुमारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि संस्थान में **राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3)** के अंतर्गत सभी कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचनाएं, टेंडर, करार आदि द्विभाषी रूप में जारी किए जाने चाहिए एवं इसके अनुपालन की

पूरी जिम्मेदारी इन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी की होती है | उन्होंने यूनिकोड प्रणाली में हिंदी टंकण के बारे में बताते हुए कहा कि संस्थान के सभी कंप्यूटरों में हिंदी यूनिकोड सॉफ्टवेयर इनस्टॉल की जानी चाहिए और सभी लोग इसी प्रणाली के माध्यम से टंकण करें |

कार्यशाला के अंत में श्रीमती मनीषा टम्टा ने उपास्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया |

हिंदी कार्यशाला की कुछ झलकियाँ

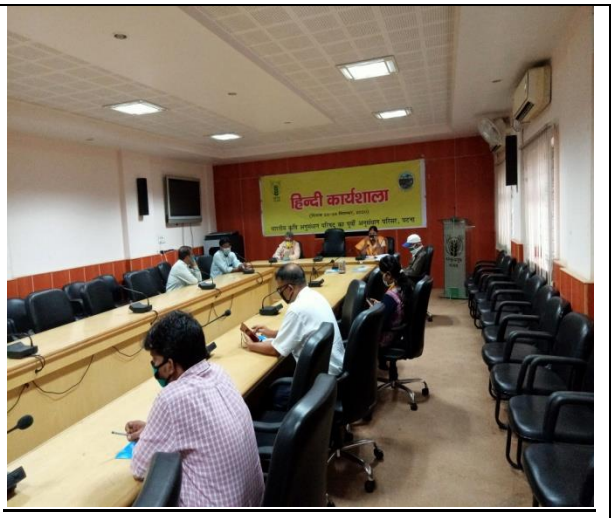

(19)

UMESH MISHRA (You)

GAURAV CHAUHAN

Sharvin Shamak 4B 47

Manisha Tamta

Others in the meeting (15)